न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी ,बुण्डू(राँची)

आदेश पत्रक

राजकिशोर प्रजापति .... बनाम गोविन्द प्रजापति

58

क्र०/तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	की गई कार्रवाई
	अभिलेख सं०-एम 43 / 2018 धारा-107 द०प्र०सं० थाना प्रभारी बुण्डू के अप्राथमिकी सं०-13/18 दिनांक-18-4-18 प्रस्तुत पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि उभय पक्ष में भूमि विवाद है। जिससे संभावना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति क्षुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति क्षुब्ध हो जाएगी। अतः मैं पायल राज, कार्यपालक दण्डाधिकारी ,बुण्डू(राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरूद्ध द०प्र०सं० की धारा-107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरूद्ध सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उससे/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रू० का बन्ध पत्र उसी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय। अभिलेख तिथि 25-5-18 को उपस्थापित करें। लेखापित एवं संशोधित कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू। (हस्ताक्षर) /5/18 कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू।	
25-05-18	अभिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष उपस्थित। उभय पक्ष जवाब दाखिल करें। दिनांक 15-06-18 को रखें। (हस्ताक्षर) 25/5/18	

पृष्ठ सं०–

तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर
	है कि उपरोक्त वाद का अवधि को तीन माह का विस्तार करने की कृपा किया जाय। प्रथम पत्र के द्वारा समर्पित आवेदन को अस्वीकृत किया जाता है। दिनांक 07-12-18 को रखें। (हस्ताक्षर) 19/11/18
07-12-18	अभिलेख उपस्थापित। प्रथम पत्र अधिवक्ता हाजरी द्वितीय पत्र अनुपस्थित। उक्त वाद के 6 (छः) माह की अवधि पूर्ण हो चुकी है अर्थात वाद कालबाधित हो गया है अतः वाद के अभिलेख की कार्रवाई बन्द की जाती है। (हस्ताक्षर) 07/12/18

Digitally signed by AJAY KUMAR SAW
Date: 2021.08.16 14:37:44 +05:30
Location: 192.168.43.107